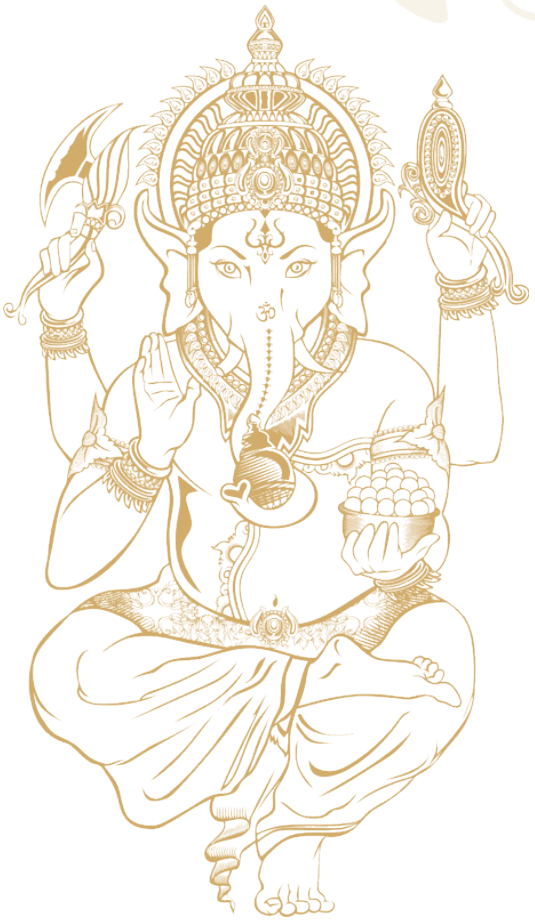

Yash Gupta

Bhavana

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119968003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/07/1998	जन्म तिथि	14/06/1997
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 15:29:00	जन्म समय	06:30:00 घंटे
घटी 24:46:54	जन्म समय(घटी)	02:34:52 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Dehradun
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	78:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:14	सूर्योदय	05:15:36
19:22:33	सूर्यास्त	19:20:33
23:50:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 5दि	29:53:09	तुला	लग्न	मिथु	15:15:36	सूर्य 0वर्ष 8मा 24दि	
शुक्र	21:15:51	मिथु	सूर्य	वृष	29:12:24	राहु	
11/12/2012	24:10:17	वृश्चि	चंद्र	कन्या	08:22:09	09/03/2015	
11/12/2032	06:52:11	मिथु	मंगल	कन्या	03:56:27	09/03/2033	
शुक्र 12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध	वृष	15:33:40	राहु 19/11/2017	
सूर्य 12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु व	मक	28:05:38	गुरु 14/04/2020	
चन्द्र 12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	मिथु	18:13:56	शनि 19/02/2023	
मंगल 11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि	मीन	24:35:56	बुध 07/09/2025	
राहु 11/02/2023	08:39:08	सिंह व	राहु व	कन्या	00:35:54	केतु 26/09/2026	
गुरु 12/10/2025	08:39:08	कुंभ व	केतु व	मीन	00:35:54	शुक्र 25/09/2029	
शनि 11/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष व	मक	14:27:15	सूर्य 20/08/2030	
बुध 12/10/2031	07:22:31	मक व	नेप व	मक	05:40:11	चन्द्र 19/02/2032	
केतु 11/12/2032	11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	09:53:03	मंगल 09/03/2033	

लग्न-चलित

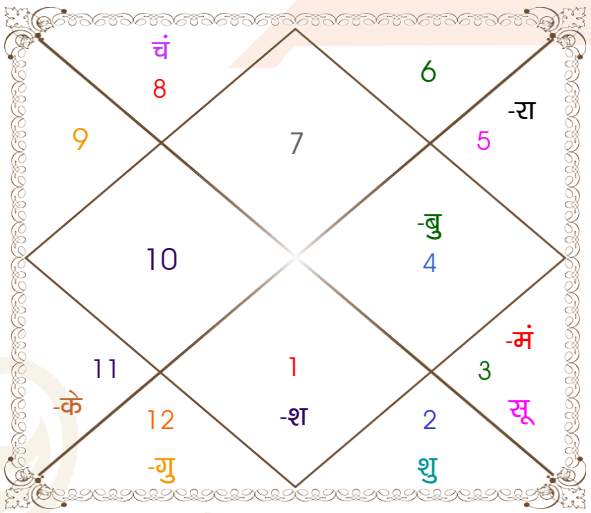

लग्न-चलित

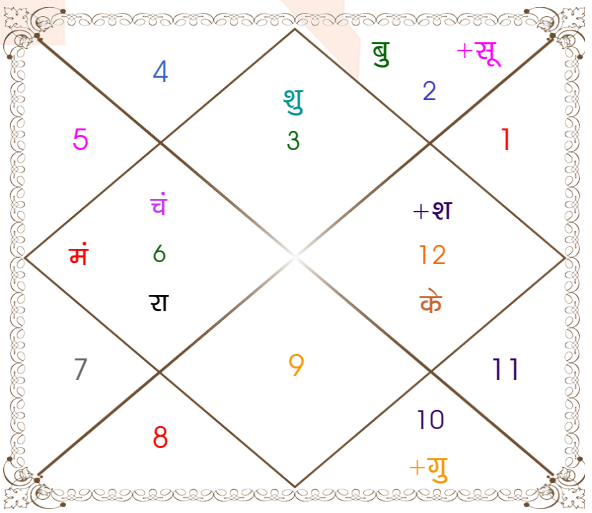

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

लैे ळनचजं का वर्ग मृग है तथा ठींअंदं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे ळनचजं और ठींअंदं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे ळनचजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ठींअंदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ठींअंदं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु लैे ळनचजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

लैे ळनचजं तथा ठींअंदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।